दैनिक
प्रातः कालीन
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

वर्ष :- 03 अंक :- 101 मुरादाबाद, 30 July 2023 (Sunday) पृष्ठ :- 12 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

KNLS Live
सम्पर्क करें-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999 में
न्यूज़ पेपर डिज़ाइन कराये कम दाम में

PM मोदी ने भारतीय शिक्षा समागम का उद्घाटन किया, पीएमश्री योजना की पहली किस्त जारी की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि NEP ने पारंपरिक ज्ञान प्रणाली से लेकर भविष्य की तकनीक तक को संतुलित तरीके से महत्व दिया है। रिसर्च इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए देश के शिक्षा जगत के सभी महानुभावों ने बहुत मेहनत की है। हमारे छात्र नई व्यवस्थाओं से भली-भांति परिचित हैं, वे जानते हैं कि 10+2 शिक्षा प्रणाली की जगह अब 5+3+3+4 लाई जा रही है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के 3 साल पूरे होने के अवसर पर प्रगति मैदान के भारत मंडपम पहुंचे। यहां उन्होंने अखिल भारतीय शिक्षा सम्मेलन का उद्घाटन किया। दरअसल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की तीसरी वर्षगांठ के मौके पर इस दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर पीएम मोदी ने शिक्षा और कौशल की 12 भारतीय भाषाओं में किताबों का विमोचन किया और पीएमश्री योजना के तहत धनराशि की पहली किस्त भी जारी की।केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, पीएमश्री योजना के तहत चयनित सरकारी स्कूलों को धनराशि की पहली किस्त जारी की गई। ये स्कूल छात्रों को इस तरह से शिक्षा प्रदान करेंगे कि वे राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की परिकल्पना के अनुरूप एक समतापूर्ण, समावेशी और बहुलवादी समाज के निर्माण में योगदान देने वाले नागरिक बन सकें।

शिक्षा देश का भाग्य बदलने की ताकत रखती है- मोदी

इस दौरान पीएम मोदी ने संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही है जो देश का भाग्य बदलने की ताकत रखती है। देश जिस लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहा है उसमें शिक्षा की अहम भूमिका है। आप इसके प्रतिनिधि हैं। अखिल भारतीय शिक्षा समागम का हिस्सा बनना मेरे लिए भी एक महत्वपूर्ण अवसर है।

हमारे छात्र नई व्यवस्थाओं से भली-भांति परिचित- पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि NEP ने पारंपरिक ज्ञान प्रणाली से लेकर भविष्य की तकनीक तक को संतुलित तरीके से महत्व दिया है। रिसर्च इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए देश के शिक्षा जगत के सभी महानुभावों ने बहुत मेहनत की है। हमारे छात्र नई व्यवस्थाओं से भली-भांति परिचित हैं, वे जानते हैं कि 10+2 शिक्षा प्रणाली की जगह अब 5+3+3+4 लाई जा रही है।

यह प्राचीनता और आधुनिकता का संगम- पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि काशी के रुद्राक्ष से लेकर आधुनिक भारत के इस मंडप तक अखिल भारतीय शिक्षा समागम की यात्रा अपने आप में एक संदेश समेटे हुए है। यह प्राचीनता और आधुनिकता का संगम है। हमारी शिक्षा प्रणाली भारत की परंपराओं को संरक्षित कर रही है, वहीं देश आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भी आगे बढ़ रहा है।

दुनिया भारत को नई संभावनाओं की 'नर्सरी' के तौर पर देख रही- प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया भारत को नई संभावनाओं की 'नर्सरी' के तौर पर देख रही है। कई देश अपने यहां भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के परिसर खोलने के लिए सरकार से संपर्क कर रहे हैं। दो आईआईटी परिसरों- तंजानिया में एक परिसर और अबू धाबी में एक परिसर-का संचालन शुरू होने वाला है। कई वैश्विक विश्वविद्यालय भी हमसे संपर्क कर रहे हैं। वे भारत में अपने परिसर खोलने में रुचि दिखा रहे हैं।

छात्रों को भाषा के आधार पर आंकना अन्याय- पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि युवाओं को उनकी प्रतिभा के बजाय उनकी भाषा के आधार पर आंकना उनके साथ सबसे बड़ा अन्याय है। दुनिया में अलग-अलग भाषाएं हैं और सभी का अपना-अपना महत्व है। अधिकांश विकसित देशों ने अपनी मूल भाषा के आधार पर प्रगति की है। इतनी सारी मूल भाषाएं होने के बावजूद हमने उन्हें पिछड़े के रूप में पेश किया।

एनईपी 2020 के बारे में जानिए

प्रधानमंत्री के विजन से प्रेरित होकर, युवाओं को तैयार करने और उन्हें अमृत काल में देश का नेतृत्व प्रदान करने में सक्षम करने के उद्देश्य से एनईपी 2020 का शुभारंभ किया गया था। इसका उद्देश्य भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए युवाओं को तैयार करना है तथा उन्हें बुनियादी मानवीय मूल्यों से जोड़े रखना है। अपने कार्यान्वयन के तीन वर्षों के दौरान इस नीति ने स्कूल, उच्च शिक्षा और कौशल शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं।

अगले दो दिन क्या-क्या होगा?

29 और 30 जुलाई को आयोजित होने वाला यह दो दिवसीय कार्यक्रम शिक्षाविदों, क्षेत्र विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, उद्योग प्रतिनिधियों, शिक्षकों और स्कूलों, उच्च शिक्षा और कौशल संस्थानों के छात्रों सहित अन्य लोगों को एनईपी 2020 को लागू करने संबंधी अपनी अंतर्दृष्टि, सफलता की गाथाओं तथा सर्वोत्तम तौर-तरीकों को साझा करने तथा इन्हें और आगे ले जाने के क्रम में रणनीतियां तैयार करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

कुल 16 सत्र होंगे

अखिल भारतीय शिक्षा समागम में सोलह सत्र शामिल होंगे, जिनमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शासन तक पहुंच, न्यायसंगत और समावेशी शिक्षा, सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित समूह के मुद्दे, राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग फ्रेमवर्क, भारतीय ज्ञान प्रणाली, शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण समेत अन्य विषयों पर चर्चा होगी।

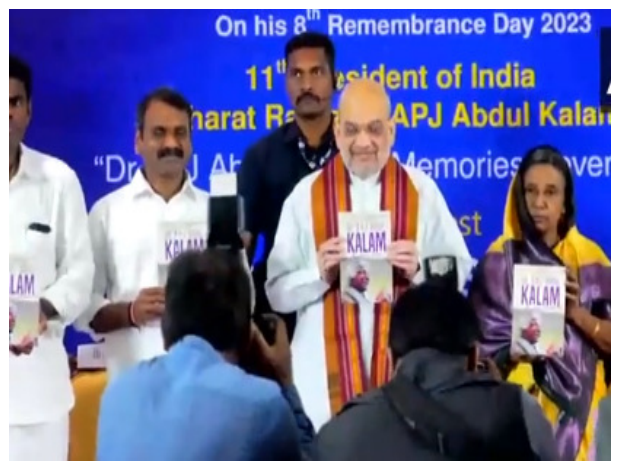

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्व राष्ट्रपति को श्रद्धांजलि दी, उनकी तीन बातों का दिलाया याद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि अर्पित की। यहां उन्होंने डॉ एपीजे अब्दुल कलाम- मेमोरीज नेवर डाई पुस्तक का विमोचन किया।

इस दौरान अमित शाह ने कहा कि इंडिया 2020 विजन फॉर द न्यू मिलेनियम% पुस्तक में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने भारत के विकास के रोडमैप को रेखांकित करने का काम किया। उन्होंने प्रमुख रूप से तीन बातें कहीं- भारत को अपनी क्षमता पहचानना होगा, प्रौद्योगिकी आधारित अर्थव्यवस्था विकसित करना होगा और कृषि-उद्योग तथा शहर-गांव के बीच संतुलित विकास सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में हमारे छात्रों और उनके स्टार्टअप के लिए अंतरिक्ष विज्ञान में अवसर खुले हैं। मेरा मानना है कि एपीजे अब्दुल कलाम का अंतरिक्ष विज्ञान का सपना पीएम मोदी के नए नवाचारों के कारण पूरा होगा और भारत अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में पूरे विश्व का नेतृत्व करेगा।

मणिपुर वायरल वीडियो मामले में CBI ने दर्ज की FIR; स्वाति मालीवाल ने नड्डा को चिट्ठी लिखी चिट्ठी

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने मणिपुर के भाजपा विधायक वुंगजागिन वाल्टे से मुलाकात की। उन्होंने पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा से भी विधायक से मिलने के लिए कहा है। शनिवार को अपने पत्र में डीसीडब्ल्यू प्रमुख ने भाजपा प्रमुख से पार्टी के फंड से वाल्टे को वित्तीय सहायता देने का भी आग्रह किया है।ष्टक्च्छ ने मणिपुर वायरल वीडियो मामले में स्नद्धक्र दर्ज कर ली है। एफआईआर हिंसाग्रस्त राज्य में दो महिलाओं के साथ दरिंदगी के मामले में दर्ज किया गया है। केंद्र सरकार ने बीते गुरुवार को मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की बात सुप्रीम कोर्ट को बताई थी। साथ ही केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा

दायर कर मामले की सुनवाई मणिपुर से बाहर कराने का आग्रह भी किया था।राज्य में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाए जाने संबंधी इस घटना का चार मई का वीडियो इस महीने की शुरुआत में वायरल हो गया था। इस घटना की देशभर में कड़ी आलोचना हो रही है। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया गया है। सीबीआई ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मणिपुर पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी के संबंध में अपनी प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई शुरू कर दी है। इस बीच मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके ने चुराचांदपुर में राहत केंद्रों का दौरा किया। उन्होंने कहा कि लोग पूछ रहे हैं कि राज्य में शांति कब बहाल होगी। मैं लगातार कोशिश कर रही हूं कि शांति बहाल करने के लिए दोनों समुदायों के लोग एक-दूसरे से बात करें। हम उनसे भी बात कर रहे हैं और सभी राजनीतिक दलों से इस प्रक्रिया में मदद करने के लिए भी कहा है। विपक्षी गठबंधन %द्गह्लड्ढ% के सांसदों की राज्य की दो दिवसीय यात्रा पर मणिपुर की राज्यपाल ने कहा कि मैं उनसे राज्य में शांति बहाल करने में योगदान देने की अपील करती हूं। राहत शिविर में महिलाओं के छलके

आंसू, राज्यपाल ने दी सांत्वना

मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके ने चुराचांदपुर में राहत शिविर में रह रहे लोगों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने शिविरों में लोगों से बातचीत की। इस दौरान एक महिला ने राज्यपाल को आपबीती सुनाई। बात करते-करते महिलाएं भावुक हो गईं। फिर राज्यपाल ने उन्हें सांत्वना दी और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सरकार उन लोगों को मुआवजा देगी, जिन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को खो दिया है और संपत्ति का नुकसान हुआ है। मैं शांति और मणिपुर के लोगों के भविष्य के लिए हर संभव प्रयास करूंगी। इससे पहले दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने मणिपुर के भाजपा विधायक वुंगजागिन वाल्टे से मुलाकात की। विधायक का इलाज चल रहा है। उन्होंने पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा से भी विधायक से मिलने के लिए कहा है। शनिवार को अपने पत्र में डीसीडब्ल्यू प्रमुख ने भाजपा प्रमुख से पार्टी के फंड से वाल्टे को वित्तीय सहायता देने का भी आग्रह किया है। हालांकि, मणिपुर सरकार के प्रवक्ता और सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री सपम राजन ने गुरुवार को उन मीडिया रिपोर्टों को खारिज कर दिया था, जिनमें दावा किया गया था कि राज्य सरकार ने हमले में घायल होने के बाद वाल्टे की चिकित्सा देखभाल नहीं की। दरअसल, मणिपुर में 3 मई से जातीय हिंसा भड़की हुई है।

बारिश कम होने पर योगी ने किसानों को दिया आश्वासन, हम हर कदम पर आपके साथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में अल्पवृष्टि की समीक्षा की और अफसरों से कहा कि अल्पवृष्टि के प्रभावों का सर्वे कराकर सटीक आंकलन करें। हम हमेशा किसानों के साथ हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश के विभिन्न जनपदों में अल्पवृष्टि के दृष्टिगत किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कुछ हिस्सों को छोड़कर ज्यादातर जिलों में गत वर्ष की तरह इस बार भी बारिश असामान्य है और इसमे निरंतरता नहीं है। ऐसे में किसानों की जरूरतों का पूरा

ध्यान रखा जाए।किसान हित के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा है कि बरसात कम हो या ज्यादा किसान चिंतित न हों, सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित जरते हुए कहा कि हर हाल में नहरों के टेल तक पानी पहुंचाया जाए। मुख्यमंत्री ने सिंचाई एवं विद्युत विभाग को अलर्ट मोड में रहने के लिये निर्देशित किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी किसानों के खेत में हर हाल में पानी पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए नदियों को चैनेलाइज करते हुए उनके पानी को नहरों में पहुंचाने की व्यवस्था करें। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि पानी हर हाल में नहर के टेल तक पहुंचे। नहरों की सुरक्षा के लिए पुलिस पेट्रोलिंग करे, ये सुनिश्चित किया जाए कि बीच में कोई नहरों को काटने न पाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अन्नदाता किसानों का हित हमारी प्राथमिकता है, ऐसे में अल्पवृष्टि के प्रभावों का सर्वे कराकर सटीक आंकलन किया जाए। उन्होंने कहा कि जलाशयों में जमी सिल्ट की सफाई कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्पवृष्टि में किसानों को अन्य वैकल्पिक फसलों की बुवाई के लिए प्रोत्साहित किया जाए साथ ही इस बात को भी सुनिश्चित किया जाए कि नलकूपों और पंप कैनाल्स को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति हो। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अल्पवृष्टि की पाक्षिक रिपोर्ट बनाकर केंद्र सरकार को भेजा जाए। उन्होंने कहा कि निजी ट्यूबवेल संचालकों को रेन वाटर हार्वेस्टिंग के लिए प्रेरित करें। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि इस वर्ष दक्षिण पश्चिम मानसून से अबतक कुल 281.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है जो कि सामान्य वर्षा का 84.3 प्रतिशत है। बैठक में कृषि मंत्री की ओर से बताया गया कि 86.07 प्रतिशत धान की बुवाई हुई है।

संपादकीय Editorial

'Death Raj' in Bihar

The epithet of 'Jungle Raj' lasted for a long time in Bihar. This adjective had become his image and identity. Its discussion is heard even today, but now the adjective should be changed to 'Maut Raj'. Bihar Police is so intolerant and remains in such anger and passion that it only lays the dead bodies of those who protest. Sometimes by lathis, sometimes by firing bullets, those citizens are being put to death, who have been given fundamental rights by the constitution of the country. In Article 19 of the Constitution, the right to freedom of expression has been given, so a provision has also been made for the right to peacefully protest, picket and agitate. If fundamental rights and human rights are crushed, then what will be the punishment? 'Good governance babu' Chief Minister Nitish Kumar and his 'deputy' Tejashwi Yadav are silent. The police will investigate the murderous attacks of the police, so imagine what will be the fate of justice? In the context of Bihar, our concern and concern is more because Bihar is one of the poorest and backward states of the country. Its very nature is criminal. Those parties and faces are in power, who did not get the basic mandate. That's why democracy and the Constitution are being shown to be ignored. Such coalition governments have been formed in many states, whose leaders are in the role of 'cousin brothers'. Efforts have been made to make 22 by combining two and two, so there is a need to amend the constitution. However, this is the season of heavy humidity and heat. July is considered the hottest month.

This is the result of climate change. Of course the rains and floods have destroyed a lot. Prime Minister Modi has made an advance announcement of the world's third largest economy with great arrogance. Figures are being counted that the country is producing more than 4 lakh MW of electricity. Government of India has provided electric light to more than 3.5 crore people. It is also a fact that 40 per cent of the households in the country have power cuts for an average of 2-8 hours. The situation is worse in many parts of Bihar. If the citizens had protested regarding the demand or problem of electricity and stormed the office of the Electricity Department and vandalized it, pelted stones, would the police shoot and kill those protestors in response? Were the protesters terrorists, Naxalites, goons and miscreants that the police fired at them? Is the training and restraint of the police limited to firing only? Are the options like warning before firing, water cannon, tear gas, aerial fire kept for display? Instead of shooting below the waist, the police had aimed directly at the forehead, so two innocent youths died. His family members are crying out for justice and are pleading with the Prime Minister to come. Will they get justice? If the police continue to attack like this, how will the citizens of the country survive? Last year itself, unemployed youth had demonstrated for jobs and recruitment, then the police had broken their bones by lathicharge. Just on July 13, the police used lathis in such a way that a BJP worker died. In fact, there is power crisis in most of the states of the country. Even in UP, electricity remains missing for hours. This is the situation after the government's claims of reforms. Gurugram is the 'cyber city'. It is also very expensive. There have also been frequent power cuts. If it rains a little, the roads become 'ponds' and there is a power failure. Are we still living with 'stone age technology'? Distress and lack do not mean that the police keep laying the dead bodies of the 'disgruntled group'. Taking strict steps, the Central Government should seek an answer from the Bihar Government. If dead bodies continue to be strewn like this, then people will not even be able to express their anger against the government.

Economic payment electricity

Arguments of Himachal standing close to its right of Punjab reorganization, at least getting assurance of justice regarding payment of BBMB arrears. The decision of the Supreme Court regarding this payment had come in 2011, but twelve years passed by dragging the formula in the legal stake. Ultimately, the Hon'ble Supreme Court itself has taken over the reins of justice, bypassing the last-ditch effort by the Central Government to push the matter forward. It is expected that now a just formula for payment of arrears will emerge from the regular hearing. Apparently all the requests to get 7.19 per cent stake are in the pipeline. The areas which got merged into Himachal due to reorganization of Punjab, the negligence to consider them as power has happened or has been happening somewhere due to the politics of the time, otherwise the 7.19 percent share would have increased the property of the resource-less mountainous region. Thirteen thousand million units of free electricity is promising to bring about six thousand crores in the next ten years. This decision is a blatant offer to turn the economic wheel and which further adopts the logic of imposing water cess. Even though payment is being made at the rate of 7.19 in BBMB's practice, but in the future, in the reorganization of Punjab, one side joins the fate of Himachal, whose economic, geographical, social and political interpretation becomes necessary. While much water has flowed through significant dam projects, half a century later the interpretation of rights, the definition of law and the context of national policies have changed. This case also defeats the pain of displacement of that time, which is still painful even today despite the passage of time. Even today, the displaced families are wandering remembering the ill-treatment meted out to their sacrifices for the existence of Bhakra Dam and especially Pong Dam. If the Himachalis, who gave life to the fields grown in the sand of Rajasthan, are still in a nomadic condition, then the practice of justice is still pending. Not only this, the injustice of the desert has become a culprit somewhere in his stories, so the human aspect of hearing becomes necessary. It is surprising that when the flood of rain in big dams rises, then the neighboring states do not want the gates to open even if they want to, but do not want to hear the plea of buried sighs on this side. If it is a natural necessity for the mountain to be a forest, then the water-water of the weather is its tragedy. For climate balance, the mountain will have to be worshipped, lamps will have to be lit for the importance of the mountain. Such laws and such policies will have to be implemented, which will give a feeling of living to the mountain. If the center ensures the dignity of mountain farming, horticulture, rural and urban economy, speed of development and innovation to research, then there is a need to understand the mountain. An independent central ministry should be formed. If the model of development is decided under this ministry, then the politics of the plains will not be able to violate the effects of winds, water and forests coming out of the mountains. Every year in the rainy season, the mountain sheds its fertility, fertilizers, seeds and labor used in agriculture and puts it in the field, but what does it get in return. The national priority of mountain economy requires several interventions. However, the decision on BBMB's arrears is giving self-confidence to Himachal, but when Punjab will get 7.19 per cent stake in the script of reorganization, other economic inscriptions will also be completed.

Three years of new education policy, after assessment, priority should also be given to change in curriculum

In this era of technology, the world is changing rapidly, so the process of reforming the education system should also be accelerated. One of the major objectives of the new education policy is to groom the personality of the students and make them capable to face the challenges of the future. Students should be equipped with the skills without which work is not going to work in today's technological era. On completion of three years of implementation of the new education policy, it is necessary to assess the reforms that have been done so far in the education system. Are they proving effective or not? It should also be seen whether the reforms that have been done are yielding the expected results or not? Similarly, there is a need to pay attention to whether the educational institutions across the country are implementing the provisions of the new education policy seriously or not? This review should be done because only this will help in achieving the objectives of the new education policy in time. It should not be overlooked that it took a good amount of time to formulate the new education policy. The government's claim may be true that 80 percent of the recommendations related to the new education policy have been moved forward, but the question is whether these recommendations have been implemented. But is it being implemented properly? There is no denying that some big and renowned educational institutions have shown readiness to implement the provisions of the new education policy, but many educational institutions are still lagging behind in this matter. Some state governments are also not as alert as they should be in the implementation of the new education policy. It is not right that some educational institutions and even universities are still seen following the old pattern. They are engaged in distributing such degrees, whose utility is in question. Since the world is changing rapidly in this era of technology, the process of reforming the education system should also be accelerated. One of the major objectives of the new education policy is to groom the personality of the students and make them capable to face the challenges of the future. Students should be equipped with that skill, without which work is not going to work in today's technological age. In fact, skill development should be given top priority. The need is not only to improve the quality of teaching, but also to train teachers in such a way that they can live up to the expectations that have been made through the new education policy. It is the need of the hour to bring change in the mindset of the students along with the mindset of the teachers. It should also be understood that from primary to higher education system is full of problems. After all, why concrete measures are not being taken to ensure that schools and universities across the country adopt a uniform curriculum with minor changes? Undoubtedly, priority should also be given to the change of curriculum, because by now this work should have been done.

Bizarre behavior of the opposition, why is it a matter of concern that instead of discussion, efforts are being made to raise slogans

It is ridiculous that on the one hand, the opposition parties are calling for the protection of national interests and on the other hand, they are not even allowing discussion on any issue related to the national or general public in the Parliament. If they are assuming that the public would not be able to understand all this, then it means that they are considering them as completely ignorant. It is surprising that even after the no-confidence motion moved by the opposition alliance INDIA has been approved in the Lok Sabha, the House is not being allowed to function. This is the pinnacle of obstinacy and proof that the opposition is determined not to allow any work to be done in this session of Parliament. It is clear from his obstinate attitude that he is neither serious about Manipur nor is he interested in parliamentary work. In fact, that is why it used the guise of creating a ruckus in the Parliament under the pretext that the discussion on Manipur would be allowed only when the Prime Minister spoke. It is difficult to understand that when it achieved its objective through the motion of no confidence, then for Why is it necessary to create ruckus in Parliament? The constituents of INDIA may be trying to show that they are getting diluted with Manipur worrying about other problems of the country, but the truth is that they are very non-serious and adopting an irrational attitude. The proof of their non-seriousness is that they are working extra hard to wave their placards with slogans. One can understand that he must have spent his energy even to appear in black clothes in the Parliament. Black clothes and flags are considered a symbol of protest and opposition leaders have every right to adopt such symbols, but after all, as people's representatives, their job in Parliament is to display their black clothes or to debate the topics they are against. Engaged in voicing your concern? After all, what is the concern that instead of discussing, efforts are being made on sloganeering? Looking at the strange behavior of the opposition parties, the people of the country will be forced to come to such a conclusion that they are trying to create ruckus and find new excuses for not allowing the Parliament to function. It is ridiculous that on the one hand, the opposition parties are calling for the protection of national interests and on the other hand, they are not even allowing discussion on any issue related to the national or general public in the Parliament. If they are assuming that the public would not be able to understand all this, then it means that they are considering them as completely ignorant. The public is watching everything and also understand that who is determined not to allow the Parliament to function? If the members of INDIA have taken the name of their alliance as India, assuming that they have become synonymous with India, then it cannot be called anything other than muggle. It is good to drive the people of the country away from such fools.

अनूठी पहल : यहां छात्रों को गलती करने पर मिलती है पौधरोपण की जिम्मेदारी

मुरादाबाद-अब स्कूल में हो रहा सुंदर वाटिकाओं का निर्माण स्कूल में अब सुंदर वाटिकाओं का निर्माण हो रहा है। इस समय यहां बच्चों द्वारा सौदर्य, पोषण, हरशृंगार, चंपा आदि वाटिकाओं का निर्माण किया गया है। इससे स्कूल में चारों और खुशबू और सुंदर वातावरण बन रहा है। प्राचार्य विजेश कुमार ने बताया कि बच्चे व अन्य अतिथि पौधरोपण जरूर करते हैं। लेकिन, इनकों सुंदर बनाने में माली दिनेश और उमेश का भी बहुत बड़ा योगदान है। इनकी मेहनत के दम पर ही आज यह संभव हो पाया है।

प्रार्थना स्थल के चारों ओर लगवाई पिलखन

यहां पहले बच्चों को तेज धूप में प्रार्थना करनी पड़ती थी। लेकिन, प्राचार्य ने पौधरोपण कराने के क्रम में यहां कुछ वर्षों पहले 15 पिलखन लगवाई थी। आज यह पिलखन बड़ी हो गई है। इनसे प्रार्थना स्थल पर पेड़ों की छांव रहती है। इससे बच्चों को तेज धूप से राहत मिलती है। यहीं नहीं यहां पर बरगद, पीपल, आंवला आदि के पेड़ भी देखने को मिलते हैं। जब मैं यहां आया था। तब स्कूल में चारों और धूल मिट्टी ही देखने को मिलती थी। फिर मैंने बच्चों की लड़ाई और खास मौकों पर विद्यालय परिसर में पौधरोपण कराना शुरू किया। आज स्कूल में चारों और हरियाली के साथ सुंदर वातावरण देखने को मिलता है। -विजेश कुमार, प्राचार्य, केंद्रीय विद्यालय केंद्रीय विद्यालय में 2017 में बच्चों की लड़ाई को जमीन दोष करने के लिए उनसे पौधरोपण कराया गया था। तभी से यहां बच्चों को गलती करने पर पौधरोपण करने का दंड दिया जाता है। यहीं नहीं सभी विशेष मौकों पर यहां पौधरोपण किया जाता है। जिससे विद्यालय परिसर में चारों और हरियाली देखने को मिल रही है। वैसे तो बच्चों को लड़ाई या गलती करने पर स्कूलों में उन्हें विभिन्न प्रकार से दंडित किया जाताहै। लेकिन, केंद्रीय विद्यालय में एक अनोखी परम्परा चल आ रही है। 2017 में यहां दो बच्चों में आपस में लड़ाई हो गई थी। जिसके बाद प्राचार्य विजेश कुमार ने बच्चों की लड़ाई को समाप्त कराते हुए दंड स्वरूप उनसे पौधरोपण कराया। तभी से यहां बच्चों से गलती कराने पर पौधरोपण कराया जाता है। यहीं नहीं जन्मदिन, अध्यापकों की सेवानिवृत्ति आदि विशेष मौकों पर यहां पौधरोपण कराया जाता है। केंद्रीय विद्यालय में 2017 में बच्चों की लड़ाई को जमीन दोष करने से हुई थी पौधरोपण की शुरुआत

अमरोहा में हुई अनहोनी: 35 फीट ऊंचे ताजिये पर उतरा हाईटेंशन लाइन का करंट, 30 लोग झुलसे; दो दर्दनाक की मौत

यूपी के अमरोहा स्थित पतेई खालसा गांव में मोहर्रम का जुलूस निकालते समय ट्रैक्टर ट्रिपलर पर रखे 35 फीट ऊंचे ताजिये पर अचानक 132 केवीए की हाईटेंशन लाइन का करंट उतर आया। तेज धमाके के साथ ताजिये में आग लग गई। थोड़ी देर में ताजिया धू-धू कर जलने लगा। शनिवार को जिले भर में दस मोहर्रम पर ताजियों के जुलूस निकाले जा रहे थे। हर साल की तरह डिडौली कोतवाली क्षेत्र के पतेई खालसा गांव में भी जुलूस निकाला जा रहा था। ताजिया के जुलूस में करीब 400 से 500 लोग शामिल थे। करंट उतरते ही ट्रैक्टर-ट्रिपलर पर बैठे 30 लोग बुरी तरह झुलस गए। गंभीर रूप से घायल किशोर समेत दो की मौत हो गई। अस्पताल में डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद मौके पर मातम पसर गया। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने घायलों को मुरादाबाद के टीएमयू में भर्ती कराया। जहां कई की हालत गंभीर बनी हुई है।

शनिवार को जिले भर में दस मोहर्रम पर ताजियों के जुलूस निकाले जा रहे थे। हर साल की तरह डिडौली कोतवाली क्षेत्र के पतेई खालसा गांव में भी जुलूस निकाला जा रहा था। ताजिया के जुलूस में करीब 400 से 500 लोग शामिल थे। इस दौरान करीब 35 फिट ऊंचा ताजिया ट्रैक्टर-ट्रिपलर में रखा हुआ था। जबकि अलग अलग छोटे तीन ताजियों को लोग कंधे पर लेकर चल रहे थे।

ताजिया का जुलूस पतेई खालसा से शुरू होकर ढकिया चमन और इसके बाद नीलीखेड़ी के कर्बला में जाकर दफन होना था। जैसे ही लोग ताजिया पतेई खालसा गांव की मस्जिद से उठाकर ढकिया चमन रोड स्थित कब्रिस्तान के पास पहुंचे थे। बड़े ताजिये में करीब पांच से छह फीट ऊंची लोहे के सरिये में झंडा लगा हुआ था।

तभी सड़क के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन करंट ताजिये पर उतर आया। तेज धमाके के साथ ताजिये में आग लग गई। करंट उतरते ही ट्रिपलर में बैठे बच्चे और बड़े समेत 30 लोग करंट की चपेट में आ गए। ताजिया थोड़ी देर में धू-धू कर जलने लगा। जुलूस में शामिल लोगों में भगदड़ मच गई। सूचना मिलते ही डीएम राजेश कुमार त्यागी, एसपी आदित्य लांग्हे, एएसपी राजीव कुमार सिंह, एसमीएम प्रतिभा सिंह, सीओ सिटी विजय कुमार राणा समेत बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गया। तुरंत ही घायलों को एंबुलेंस और पुलिस की गाड़ियों से पाकबड़ा के टीएमयू में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उवैस (13) पुत्र ताहिर और शानू पुत्र जरीफ को मृत घोषित कर दिया। बड़ी संख्या में घायलों के पहुंचते ही टीएमयू परिसर में ही चीख-पुकार मच गई। जबकि आग लगने के बाद ताजिया पूरी तरह जलकर राख हो गया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों को मौके से हटाकर स्थिति को संभाला। वहीं अन्य छोटे तीन ताजियों को नीलीखेड़ी ले जाकर दफनाया गया।

पोते ने दादा को मार डाला, बुजुर्ग पिता-पुत्र में हुआ था विवाद

मुरादाबाद-मुगलपुरा थाना क्षेत्र में एक युवक ने अपने दादा की हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी युवक घर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने पंचनामा भरकर बुजुर्ग का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, बुजुर्ग पिता-पुत्र में विवाद हो रहा था तो पोता ने घटना को अंजाम दे दिया। सीओ कोतवाली देश दीपक सिंह ने बताया कि मृतक रामगोपाल (65 साल) मूल रूप से मुगलपुरा के कहारो वाला मंदिर के पास के रहने वाला था। कुछ समय पूर्व से गलशहीद के असालतपुरा में रहने लगा था। बुजुर्ग रामगोपाल अपने पुश्तैनी घर आया था। उसकी बहन भी इसी मकान में रहती है। छोटा बेटा बब्बू भी इसी घर में परिवार के साथ रहता है। उन्होंने बताया कि किसी बात को लेकर रामगोपाल और बब्बू में कहासुनी हो रही थी। इसी बीच पोता बंटी भी बीच में बोलने लगा। उसने घर में रह रही अपने दादा की बहन को गालियां देना शुरू कर दिया। इसका रामगोपाल ने विरोध किया। सीओ का कहना है कि इसी कहासुनी के दौरान बंटी ने रामगोपाल को जोर से धक्का दिया। जिससे रामगोपाल का सिर सामने दीवार में जाकर लगा और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

कटघर में आठवीं की छात्रा को तमंचे के बल पर अगवा कर किया दुष्कर्म

मुरादाबाद। कटघर थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात एक युवक ने पने दो साथियों के साथ मिलकर आठवीं की छात्रा को अगवा कर लिया। आरोपी ने जंगल में लेकर जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने पीड़िता की मां की तहरीर पर आरोपी और उसके दोस्तों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।15 वर्षीय पीड़ित छात्रा का परिवार थाना कटघर के गांव में रहता है। उसके पिता सऊदी अरब में नौकरी करते हैं। बुधवार रात छात्रा अपनी मां के पास घर में सो रही थी। बृहस्पतिवार सुबह करीब तीन बजे आरोपी संजय अपने साथी नितिन और मनोज के साथ छात्रा के मकान के दरवाजे के सामने आ गया। वह बाहर से ही उसे कॉल करने लगा। उस वक्त मां सो रही थी। इसलिए उसने खुद ही दरवाजा खोल दिया। आरोप है कि दरवाजा खोलते ही संजय ने किशोरी का हाथ पकड़ कर उसे बाहर खींच लिया। कनपटी पर तमंचा लगाकर उसे जैतिया मोड स्टेशन रोड पर स्कूल के सामने ले गया। इसके बाद उसके साथ आरोपी नितिन व मनोज चले गए। आरोप है कि आरोपी संजय किशोरी झाड़ियों में ले गया और तमंचे के बल पर दुष्कर्म किया। आरोपी पीड़िता को लेकर मुरादाबाद में रेलवे स्टेशन पर पहुंच गया। यहां प्लेटफार्म नंबर 7 पर ट्रेन का इंतजार करने लगा। इसी दौरान वहां जीआरपी के सिपाहियों ने पूछताछ की। तब पता चला कि आरोपी किशोरी को लेकर कहीं जा रहा था। सूचना मिलने पर परिजन भी आ गए। पुलिस ने बताया कि तहरीर के आधार आरोपी संजय, मनोज और नितिन के खिलाफ अपहरण, दुष्कर्म और धमकी देने का केस दर्ज किया गया है।

कांवड़ लेने निकले युवक का मिला क्षत-विक्षत शव, हत्या की आशंका

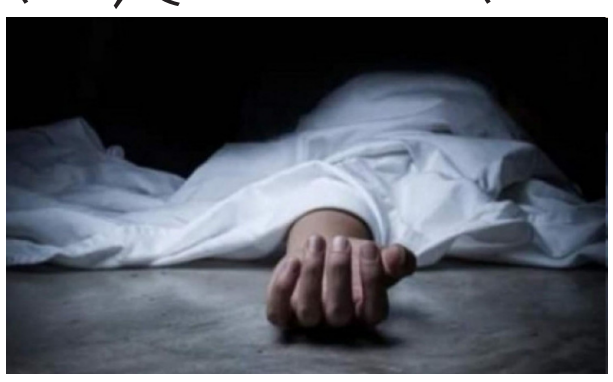

मुरादाबाद-तीन भाइयों में सबसे बड़ा था महावीर, छोटे भाई शिवम ने मंगलवार को थाने में दी थी गुमशुदगी की तहरीरकांवड़ लेने घर से निकले युवक का छठवें दिन शव मिला। शव में कीड़े पड़े थे, उसकी पहचान करना मुश्किल हो रहा था। घर वालों ने शव की पहचान महावीर पुत्र किशन लाल के रूप में की है। इस मामले में मृतक के छोटे भाई शिवम ने मझोला थाने में तहरीर दी है। उधर, शव मिलने की जानकारी पाकर थाना पुलिस और एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया व सीओ सिविल लाइन अर्पित कपूर मौके पर पहुंचे थे। मृतक के भाई शिवम ने पुलिस को बताया है कि उसका बड़ा भाई 47 वर्षीय महावीर रविवार 23 जुलाई को घर से कांवड़ लेने को ब्रजघाट के लिए निकला था। उसके बाद से वह लौटा नहीं था। कई दिन से भाई के बारे में कोई खोज खबर भी नहीं मिल रही थी। महावीर के परिवार में पत्नी सविता और तीन बेटी व दो बेटे हैं। उधर, नया गांव मुरादाबाद पुलिस चौकी प्रभारी अनंत पाल ने बताया कि शुक्रवार शाम पांच बजे के दौरान महावीर का शव नया गांव भोलनगरी में गागन नदी किनारे छोटेलाल के खेत के पास झाड़ी में पड़ा मिला है। उन्होंने बताया कि शव कई दिन पुराना है, इसलिए उसके शरीर में कीड़े पड़े थे। सिर व शरीर के अन्य हिस्से को कीड़े खा गए थे। ऐसे में शव की शिनाख्त नहीं हो पा रही थी। सूचना पाकर महावीर के परिवार वाले मौके पर आए और उन्होंने शव की पहचान कर ली है। चौकी प्रभारी ने बताया कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। सीओ सिविल लाइन अर्पित कपूर ने बताया कि महावीर का शव कई दिन पुराना है। उसकी हत्या के संबंध में संदेह जताया जा रहा है। फिलहाल, प्रकरण की जांच के लिए पुलिस टीम लगाई गई है।

दी थी तहरीर, नहीं मिली पुलिस की मदद

मृतक महावीर के छोटे भाई शिवम ने बताया कि उसका बड़ा भाई रविवार शाम पांच बजे के दौरान कांवड़ लेने ब्रजघाट के लिए पैदल ही निकला था। भाई को सोमवार शाम तक लौटा भी था लेकिन, वह नहीं लौटा। सोमवार रात से मंगलवार दिन तक भाई के बारे में रिश्तेदारों व अन्य जान पहचान वालों से जब कोई खोज खबर नहीं मिली तो उसने उसी दिन शाम को मझोला थाने में गुमशुदगी की तहरीर दी थी। लेकिन, भाई को खोजने में पुलिस की कोई मदद नहीं मिली। बताया कि उसके भाई का जहां शव मिला है, वहां से उसके घर की दूरी करीब डेढ़ किमी ही है। बताया कि उसके भाई से कोई किसी से दुश्मनी भी नहीं थी। महावीर खेती-किसानी कर किसी तरह से अपना परिवार चला रहा था। उसके पांच बच्चों में सबसे बड़ी 18 वर्ष की बेटी संजना है, इसका वह विवाह के लिए लड़का भी खोज रहा था।

विकास के नक्शे से दरियापुर गांव गायब: भाजपा के पूर्व राज्यसभा सांसद ने लिया था गोद, मार्ग के लिए भटक रहे लोग

मुरादाबाद एक ओर जहां सरकार गांवों के विकास पर जोर दे रही है। इसके लिए करोड़ों खर्च कर रही है, तो वहीं मुरादाबाद कांठ विधानसभा के गांव दरियापुर आज तक किसी भी ओर से मुख्य मार्ग से नहीं जुड़ पाया है। गांव को आने जाने के लिए दूसरे जिले बिजनौर के क्षेत्र से होकर जाया जाता है। आजादी के बाद से आज तक यह गांव मार्ग और पुल से नहीं जुड़ सका है दरियापुर गांव की आबादी करीब 3500 है। गांव के 1200 से अधिक मतदाता हर चुनाव में वोट करते हैं, लेकिन देश की आजादी के 76 वर्ष बाद भी इस गांव को किसी ओर से भी मुख्य मार्ग से नहीं जोड़ा गया है। गांव के लिए पक्का मार्ग न होने से जहां ग्रामीणों को परेशानी हो रही है, तो वहीं गांव विकास में भी पिछड़ा है। ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए पूर्व राज्यसभा सांसद और भाजपा प्रवक्ता सय्यद जफर इस्लाम ने दरियापुर को गोद लिया था, लेकिन वह भी गांव को रास्ता नहीं दिला पाए हैं। कांठ से गांव के लिए जाने पर रामगंगा नदी बीच में पड़ती है। बरसात के दिनों में गांव चारों ओर से बाढ़ के पानी से घिर जाता है। जिसके कारण ग्रामीणों को परेशानी होती है। यदि गांव में कोई इमरजेंसी हो जाए तो गांव में एम्बुलेंस, पुलिस, फायर ब्रिगेड तक नहीं पहुंच सकती है। दरियापुर को आने जाने के लिए बिजनौर जिले के स्योहारा होते हुए भगवानपुर रैनी से जाना पड़ता है, जिसमें समय की भी बर्बादी होती है। लोनिवि ने भेजा दस करोड़ का प्रस्ताव शासन में लटका-तहसील क्षेत्र के गांव दरियापुर को मुख्य मार्ग से जोड़ने के लिए सडक और रामगंगा नदी में पुल निर्माण के लिए लोग निर्माण विभाग ने कई माह पहले शासन को करीब 10 करोड़ रुपये का प्रस्ताव ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए भेजा था, लेकिन प्रस्ताव भी शासन स्तर पर लटका हुआ है। प्रस्ताव में गांव दरियापुर के लिए 4.550 किलोमीटर मार्ग और रामगंगा पर 58.120 मीटर पुल शामिल है, लेकिन कई माह के बाद भी अभी तक इसे मंजूरी नहीं मिली है। दरियापुर के लिए कहीं से भी पक्का मार्ग नहीं है। या तो ग्रामीण घने वन से होकर जान हथैली पर रखकर आते जाते हैं या फिर कच्चे मार्ग के माध्यम से गुजरते हैं। रामगंगा पर पुल न होने से ग्रामीणों को नाव का सहारा लेना पड़ता है। मांग को पूरा कराने के लिए सालों से दौड़ रहे हैं। -अमीचंद्र सिंह, ग्रामीण दरियापुर, कांठ गांव चारों ओर से रामगंगा नदी से घिरा है। बारिश के मौसम में सबसे अधिक परेशानी महिलाओं व स्कूली बच्चों को होती है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष से मिले दरियापुर के ग्रामीण-गांव दरियापुर के लिए मार्ग और नदी पर पुल की मांग को लेकर ग्रामीण अमीचंद्र सिंह के साथ ग्रामीण भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह से मिले और उनके समक्ष समस्या को रखा है। जिस पर प्रदेशाध्यक्ष ने लोक निर्माण विभाग के मंत्री जतिन प्रसाद से भी फोन पर बात कर समस्या का समाधान कराने के लिए कहा है। दरियापुर गांव की समस्या के बारे में मुझे जानकारी नहीं है। इस बारे में संबंधित अधिकारी से जानकारी ली जाएगी। इसके बाद जरूरी कार्रवाई की जाएगी। - शैलेंद्र कुमार सिंह, डीएम-ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए पूर्व राज्यसभा सांसद और भाजपा प्रवक्ता सय्यद जफर इस्लाम ने दरियापुर को गोद लिया था, लेकिन वह भी गांव को रास्ता नहीं दिला पाए हैं। दरियापुर गांव की आबादी करीब 3,500 है। गांव के 1,200 से अधिक मतदाता हर चुनाव में वोट करते हैं, लेकिन देश की आजादी के 76 वर्ष बाद भी इस गांव को किसी ओर से भी मुख्य मार्ग से नहीं जोड़ा गया

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

गमगीन माहौल के बीच सुपुर्दे खाक किये ताजिये

योगेश मुदगल
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-गमगीन माहौल के बीच सुपुर्दे खाक किये ताजिये युवाओं ने पटेबाजी और मुगदरबाजी में दिखाये हैरतअंगेज करतब मारहरा। मुस्लिम समुदाय का गमों का पर्व मोहर्रम कस्बा में परंपरागत तरीके से मनाया गया। कस्बा में लगभग दो दर्जन स्थानों पर रखे ताजियों को जुलूस के साथ पूर्व निर्धारित मार्गों से निकाला गया।

इस दौरान युवाओं ने पटेबाजी और मुगदरबाजी का हैरतअंगेज प्रदर्शन किया। अंत में सभी ताजियों को करबला के मैदान पर ले जाकर सुपुर्दे खाक कर दिया गया। इस दौरान पुलिसबल पूरी तरह से अलर्ट रहा। इससे पूर्व शुक्रवार को कस्बा के मुहल्ला बडा बाजार, चूडी वाली गली. कटरा, काजी, तकिया और पक्का बाग समैत लगभग दो दर्जन स्थानों पर ताजियों को सजावट के साथ रखा गया। मुस्लिम इलाकों के गली. मुहल्ला को भी रंगबिरंगी रौशनी से सजाया गया। रात में मुस्लिम समुदाय की भीड़ ताजियों और रौशनी के दीदार को उमड पडी । शनिवार को कस्बा में ताजियों का जुलूस निकाला गया। इस दौरान अस्पताल चौराहा और हैदरी चौक पर जुलूस में शामिल युवाओं ने पटेबाजी और मुगदरबाजी के प्रदर्शन से लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया। कई स्थानों पर जुलूस को शर्बत, पानी, बिस्किट और फल आदि बांटे गये। सभी ताजियों को पूर्व निर्धारित मार्गों से गुजारते हुए पिवारी रोड स्थित करबला मैदान पर ले जाया गया। जहां उन्हें सुपुर्दे खाक करने की रस्म अदा की गई। आयोजन को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट रहा।

सीओ सुनील कुमार त्यागी और एसओ सत्यपालसिंह मय पुलिसबल के मार्ग पर गश्त करते रहे। स्थानों पर का कड़ा पहरा तैनात किया गया। इस दौरान तहरीलदार सीपीसिंह, नायब तहसीलदार साश्वत अग्रवाल, एसआई अनिल यादव, वीरपालसिंह, अशोक कुमार यादव, एलआईयू के कौशलकिशोर शर्मा, अंकित तोमर हरिओम चौधरी, राशिद कुरैशी, चादमियां, बसीअनवर कुरैशी, राशिद पहलवान, मुहम्मद बिलाल, शानू कुरैशी, कामिल कुरैशी, मुहम्मद उवैश, जाकिर, जावेद आदि मौजूद रहे। ढ्ढ

गैंगस्टर एक्ट के अभियुक्त रामेश्वर यादव व जुगेंद्र सिंह की करोड़ो की सम्पत्ति कुर्क

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-जिला मजिस्ट्रेट एटा की कार्यवाही गैंगस्टर एक्ट के अभियुक्त रामेश्वर यादव व जुगेंद्र सिंह की करोड़ो की सम्पत्ति कुर्क जिला मजिस्ट्रेट एटा माननीय न्यायालय जिला मजिस्ट्रेट एटा के आदेशानुसार एसएसपी एटा के निर्देशन में जनपदीय पुलिस व प्रशासन टीम द्वारा मुअस0- 235/2022 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट के अभियुक्त रामेश्वर यादव पुत्र लालाराम यादव व जुगेन्द्र यादव पुत्र लालाराम यादव निवासी ग्राम अमृतपुर रघूपुर थाना जसरथपुर एटा हाल पता मोहल्ला प्रेम नगर थाना कोतवाली नगर एटा द्वारा भादंवि में वर्णित अध्याय 16, 17 व 22 तथा आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अपराध कारित कर अवैध श्रोतों से बड़ी संख्या में अपने पुत्र, पत्नी एवं अपने करीबी लोगों के नाम अर्जित चल/अचल संपत्ति में से को थाना सिकंदरा जनपद आगरा क्षेत्रांतर्गत नालन्दा टावर ककरैठा फ्लैट नंबर 103 जिसकी वर्तमान कीमत करीब 80,00,000 रुपये (80 लाख रुपये) व मोहल्ला ककरैठा स्थित 408.76 वर्ग फीट आवासीय संपत्ति जिसकी वर्तमान कीमत करीब 1,63,80,000 रुपये (1 करोड़ 63 लाख 80 हजार रुपये) दोनों संपत्तियों की कुल अनुमानित कीमत करीब 2,43,80,000 रुपये (दो करोड़ 43 लाख 80 हजार रुपये) को उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1986 की धारा 14 (1) के अंतर्गत समुचित पुलिस प्रबंध के साथ कुर्क किया गया है।

बच्चो के हाथ मे थमा दी झाड़ु शिक्षा नहीं हे जरूरी पहले स्कूल मे लगाओ झाड़ू ओर करो सफाई

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-नोनिहालो की शिक्षा के साथ हो रहा खिलवाड़ बच्चो के हाथ मे थमा दी झाड़ू शिक्षा नहीं हे जरूरी पहले स्कूल मे लगाओ झाड़ू ओर करो सफाई उत्तर प्रदेश की योगी जी की सरकार मे भी शिक्षा विभाग अपनी करतूतों से वाज नहीं आरहा हे । वही शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारी कुम्भकरण की नीद सोये रहते हे । सूत्रों से मिली जानकारी से उच्च प्राथमिक विधालय छितोनी विकास खण्ड शीतलपुर मे नोनिहालो के हाथो मे झाड़ू थमा दी जाती हे । अपना नाम न लिखने से मना करने पर वताया कि मिडे मील का भोजन भी बच्चो को सही नहीं दिया जाता हे ।मीनू के आधार पर तो मिड डे मील वनता ही नहीं हे अगर स्कूल के वच्चे भोजन के वारे मे कुछ कहे इससे पहले ही विधालय स्टॉफ स्कूल मे पढ़ने वाले बच्चो को धमका देता हे । सूत्र यहां तक वताते हे कि बच्चों को देने वाले भोजन पूरे गुड़बत्ता के साथ तक नहीं वनाया जाता हे । क्या उच्च शिक्षा अधिकारी ऐसे समाचारों पर सज्ञान लेंगे या फिर अपनी मनमानी के लिए इन्हे छूट देदी जाएगी ।

मां के साथ दो बेटियों ने उठाया खौफनाक कदम, अलग-अलग कमरे में लटकी मिलीं तीनों की लाशें

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-जनपद एटा के निधौली कलां के एक गांव में शनिवार को मां के साथ दो बेटियों ने खौफनाक कदम उठा लिया। एक साथ तीनों अलग अलग कमरों में फांसी के फंदे पर लटक कर आत्महत्या कर ली। जिसने भी यह मंजर देखा, उसकी रूह कांप गई। एक साथ तीन आत्महत्या की खबर तेजी से क्षेत्र में फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। आत्महत्या के कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। निधौली कलां थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मीलगढी में दो बेटियों संग मां द्वारा की गई आत्महत्या की खबर से सनसनी फैल गई। बताया गया है कि यहां के रहने वाले नरेन्द्र सिंह यादव की पत्नी अनुराधा और उनकी दोनों बेटियां 17 वर्षीय संध्या और 16 वर्षीय शिवी की शव दोपहर के समय अलग-अलग कमरों में फंदे से लटके मिले। घरवालों ने जब ये नजारा देखा तो उनके होश उड़ गए। सूचना पर क्षेत्राधिकारी जलेसर मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। आत्महत्या के कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फेसबुकिया प्यार ने लूटा पी ए सी का जवान

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-फेसबुक पर पीएसी के जवान से दोस्ती की। बाद में अमेजॉन में ऑनलाइन व्यापार का झांसा देकर लाखों रूपये ठग लिए। पीड़ित ने कई बार में रूपये डाल दिए। जानकारी होने के बाद पीड़ित ने आरोपी महिला के विरूद्ध दर्ज कराई है। पीड़ित संजय कुमार ने कोतवाली देहात में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वर्तमान समय में 43वीं पीएसी बटालियन में आरक्षी पद पर तैनात है। फेसबुक चलाते हुए शिवानी कुमारी नाम की लड़की की दोस्ती हुई और बात होने लगी। इसी दौरान लड़की ने अमेजॉन में ऑनलाइन व्यापार करने का झांसा दिया। पीड़ित लड़की के झांसे में आ गया। लड़की के कहने पर पीड़ित ने 26 जून को तीन बार में 30 हजार से अधिक रूपये, तीन जुलाई को 35 हजार से अधिक रूपये, पांच जुलाई को 50 हजार से अधिक रूपये खाते में डाल दिए। आरोपी साइबर अपराधी ने मैसेंजर के माध्यम से नौकरी के जुड़े दस्तावेज, अन्य जरूरी दस्तावेज भी ले लिए है। पीड़ित से बार-बार रूपये मांगे जा रहे है और न देने पर दस्तावेजों का दुरुपयोग करने की धमकी दे रहा है। पीड़ित ने की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पैसों को लेनदेन को लेकर एक युवक को गांव के ही दो लोगों ने अपने साथियों के साथ धारदार हथियारों से प्रहार कर किया घायल

शेर सिंह
क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- भुता। ग्राम केशरपुर में पैसों को लेनदेन को लेकर शुक्रवार देर रात 9ः00 बजे एक युवक को गांव के ही दूसरे समुदाय मुनव्वर आफताब व दो अज्ञात साथियों ने मिलकर ने धारदार हथियार व लाठी-डंडों से पीटकर लहूलुहान किया। मामले की तहरीर घायल के परिजनों ने दो नामजद दो अज्ञात चार के विरुद्ध थाने में दे दी है। तथा घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। थाना क्षेत्र के ग्राम केसरपुर में शुक्रवार दिन में सतीश ने अपने दिए हुए रुपए ?11000 मुनव्वर से मांगे थे। इसी बात को लेकर फोन पर कहासुनी हो गई थी। जब शाम लगभग 9ः00 बजे सतीश कुमार ठेले पर मोमोज खा रहा था ।उसी समय पैसों की लेनदेन की कहासुनी की रंजिश मानते हुए सतीश को ठेले से खींच कर मुनव्वर उसका भाई आफताब तथा दो अन्य साथियों लाठी डंडा और लोहे की रॉड से प्रहार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। शोर-शराबा होने पर ग्रामीणों को आते देख लहूलुहान अवस्था में में छोड़कर भाग गए। तभी परिजन घायल को बरेली अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया है। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। इधर सतीश के पिता ने मामले की तहरीर उक्त दोनों व दो अज्ञात चार लोगों के विरुद्ध थाने में देकर रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर आरोपियों की तलाश कर रही है। मामला दो समुदाय के होने के कारण गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

एटा एसडीएम सदर ने किया परिषदीय विद्यालय का निरीक्षण

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-एसडीएम सदर सुश्री भावना द्वारा पूर्व माध्यमिक विद्यालय नरौरी,शीतलपुर का औचक निरीक्षण किया गया, जिसमें विद्यालय बंद पाए जाने पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को संबंधित की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही प्राथमिक विद्यालय नरोरी का निरीक्षण कर बच्चों से संवाद कर पढ़ाई की गुणवत्ता जांची गई, एमडीएम के बारे में फीडबैक लिया गया एवं शिक्षा हेतु प्रेरित किया गया। इसके अलावा अमीनो की वसूली संबंधित बैठक आयोजित कर विभिन्न मद में टॉप 10 बकायदारों की सूची तैयार कर प्रगति करने हेतु निर्देशित किया गया।

प्राथमिक विद्यालय कंचन गढ़ी में जन भागीदारी का किया गया भव्य आयोजन

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-एटा में ऊपीएम श्रीऊ में चयनित विकास खण्ड निधौलीकलां के प्राथमिक विद्यालय कंचन गढ़ी में जन भागीदारी का किया गया भव्य आयोजन, बड़े उल्लास के साथ धूमधाम से किया गया कार्यक्रम, खण्ड शिक्षा अधिकारी निधौलीकलां आनंद द्विवेदी ने विशेष जानकारी देते हुए ग्रामवासियों को ऊपीएम श्रीऊ विद्यालय की विशेषताओं,महत्व और उपयोगिता के विषय में विस्तार से बताया, जनसमुदाय के समक्ष निपुण आंकलन किया गया जिसमें विद्यालय के 70त्न से ज्यादा बच्चे निपुण पाए गए, जिसकी कार्यक्रम के दौरान ग्रामवासियों ने खुलकर शिक्षा विभाग की प्रशंशा की, ट ी ए ल ए म प्रस्तुतीकरण(निपुण भारत मिशन से संबंधित कला प्रतियोगिता आदि कई कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, कार्यक्रम के इस अवसर पर निधौलीकला खंड शिक्षा अधिकारी आनंद द्विवेदी, निधौलीकलां ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सुनील यादव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य ओमवीर सिंह यादव, सदस्य क्षेत्र पंचायत सोमेंद्र यादव, ग्राम प्रधान राकेश यादव, जितेन्द्र सिंह यादव प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान एटा व गांव के गणमान्य लोगों सहित समस्त अध्यापक गण उपस्थित रहे।

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करें
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

वाराणसी में ताजिया जुलूस को लेकर शिया-सुन्नी समुदाय में बवाल, 40 से अधिक घायल, कई वाहन क्षतिग्रस्त

वाराणसी के दोषीपुरा में मुहर्रम के जुलूस के दौरान शिया और सुन्नी समुदाय के बीच पथराव शुरू होने से भगदड़ मच गई। पुलिस जीप समेत मौके पर खड़ी 20 से अधिक बाइकों में तोड़फोड़ की गई। पथराव में 40 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। वाराणसी में भारी सतर्कता और सुरक्षा की घेरेबंदी के बाद भी जैतपुरा इलाके के दोषीपुरा में मुहर्रम के जुलूस के दौरान बवाल हो गया। ताजिया जुलूस निकालने को लेकर हुए विवाद ने उग्र रूप ले लिया। शिया और सुन्नी समुदाय के बीच जमकर संघर्ष हुआ। मारपीट के बाद जमकर पथराव हुआ। ईंट-पत्थर के साथ ही हथियारों का भी इस्तेमाल किया गया।बवाल में 40 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। पुलिस जीप समेत मौके पर खड़ी 20 से अधिक बाइकों में तोड़फोड़ की गई। ताजिया भी क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस के मौके पर पहुंचने के बाद भी पत्थरबाजी होती रही। पुलिस ने लाठीचार्ज कर उपद्रवियों को खदेड़ा। घटना की सूचना पाकर मौके पर पुलिस कमिश्नर मुथा अशोक जैन पुलिस अधिकारियों, कई थानों की पुलिस फोर्स, एआरएफ और पीएसी जवानों के साथ पहुंचे। पुलिस जब मौके पर पहुंची दो दोनों ओर से जमकर पथराव चल रहा था। पुलिस ने खुद को बचाते हुए दोनों पक्षों को खदेड़ने की कोशिश की तो माहौल और बिगड़ गया। ढाई घंटे तक रणक्षेत्र बना रहा दोषीपुरा मौके की नजाकत को देखते हुए सीपी मुथा अशोक जैन ने वरुणा और गोमती जोन से भी पुलिस फोर्स को मौके पर बुलाया। मौके पर जुटी पुलिस ने दोषीपुरा मैदान सहित आसपास के इलाके को

घेरकर उपद्रव कर रहे लोगों पर लाठीचार्ज किया। करीब दो बजे शुरू बवाल ढाई घंटे बाद 4:30 पुलिस ने काबू पाया। पथराव में घायल हुए लोगों को इलाज के लिए पुलिस ने मंडलीय चिकित्सालय सहित अन्य अस्पतालों में भेजा।

कई ताजिया भी क्षतिग्रस्त, सिया समुदाय के लोगों ने शुरू किया प्रदर्शन

इधर, पथराव के कारण सिया समुदाय और सुन्नी समुदाय की कई ताजिया भी क्षतिग्रस्त हो गई। सिया समुदाय के लोगों ने ताजिया को करबला ले जाने से मना कर दिया और मौके पर ही धरना देने लगे। पुलिस आयुक्त ने लोगों से बातचीत कर ताजिया उठाने की बात कही, लेकिन इसके बावजूद भी लोग नहीं माने। खबर लिखे जाने तक मौके पर भारी पुलिस फोर्स मौजूद है और माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है।

पुलिसकर्मियों की बाइकों को किया क्षतिग्रस्त

शिया और सुन्नी समुदाय के बीच हुए बवाल में पीएससी कैंप और पुलिसकर्मियों की बाइकें भी उपद्रव की भेंट चढ़ गई। उपद्रव कर रहे कुछ युवकों ने पीएसी कैंप और मौके पर खड़ी पुलिसकर्मियों की बाइकों में जमकर तोड़फोड़ की। पथराव और उपद्रवियों की भीड़ देख वक्ति पीएसी के जवान और पुलिस को भी पीछे हटना पड़ गया था।

मोहर्रम की 9 तारीख को जुलूस को उठाया गया व शिया समुदाय के लोग मातम करते हुए नजर आए बड़े गमगीन होकर

हारून बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद - फर्रुखाबाद शहर के मुख्य मार्ग से मोहर्रम की 9 तारीख पर विभिन्न स्थानों पर मजलिस का आयोजन कर हजरत इमाम हुसैन के भाई हजरत अब्बास अलमदार की शहादत को याद किया गया शहर के मुख्य मार्ग से निकाले गए जुलूस में शिया समुदाय ने भारी संख्या में भाग लेकर हजरत इमाम हुसैन को याद कर जुलूस निकाला जुलूस में मातम के समय शामिल होने के लिए सभी मुस्लिम भाइयों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया इमाम हुसैन से अकीदत रखने वाले लोगों ने इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों को याद करते हुए दहकते अंगारों पर

या हुसैन की सदाओं के साथ नंगे पांव चलकर मातम मनाया इस मातम में हर उम्र के लोग शामिल हुए यहां तक कि कुछ छोटे बच्चों ने भी नंगे पांव हाथों में अलम लेकर आग का मातम किया गया और अश्कबार होकर इमाम हुसैन को पुरसा पेश किया ।अंजुमन हुसैनिया के तमाम दारों ने जमकर सीना जनी और नोहा खानी की । या हुसैन की सदाओं के साथ शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न हुआ जुलूस निकालने में पुलिस प्रशासन ने जुलूस का पूरा सहयोग किया शांतिपूर्वक जलूस संपन्न हुआ।

मोहर्रम का जुलूस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ शांति पूर्वक मनाया गया

शेर सिंह
क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- भुता। कावड़ यात्रा के साथ -साथ मुहर्रम को देखते हुए चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात । त्याग व बलिदान का पर्व मोहर्रम की दसवीं तारीख मनाया गया। यह मुस्लिम समुदाय के लोगों के लिए मातम का दिन होता है पहले मुहर्रम के 10 में दिन पैगंबर हजरत मोहम्मद के नवासे हजरत इमाम हुसैन की शहादत हुई थी। मुस्लिम धर्मगुरु के अनुसार मोहर्रम का जुलूस बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। क्षेत्र में ग्राम रिछा से भुता फैज नगर, के सरपुर ,सिंघाई मुरावान में आदि ग्रामों में ताजिए ले जाकर कर्बला में दफन किए गए ।गांव व कस्बों में सुबह से ही जुलूस निकालना शुरू हो गए हैं। जुलूस में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग, महिलाएं, व बच्चे शामिल हुए। ताजियों के जुलूस में बैंड बाजे शामिल रहे। जुलूस में युवाओं ने कई करतब दिखाएं। क्षेत्र में जुलूस अपने प्रमुख मार्गो से होते हुए अपने गंतव्य स्थान पर जाकर समाप्त हुआ। वहीं पर पुलिस प्रशासन भी चप्पे-चप्पे पर दिखाई दिया।

मोहर्रम का जुलूस क्षेत्र में के साथ एवं शांति पूर्वक मनाया गया। थानाध्यक्ष मय फोर्स के साथ क्षेत्र में भ्रमण करते रहे।

मक्का व मूंगफली की ढुलाई पर अवैध वसूली करने वाली चौकी का किया गया घेराव

हारून बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद - कृषि उत्पाद को बेचने जा रहे किसानों से अवैध वसूली किए जाने से गुस्साए किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने ने पुलिस चौकी का घेराव किया शहर कोतवाली की पांचाल घाट पुलिस चौकी के कर्मचारी मक्का व मूंगफली बेचने वाले किसानों से सुबह से ही अवैध वसूली कर रहे थे फर्रुखाबाद व शाहजहांपुर के किसान रोजाना ट्रैक्टरों से मक्का व मूंगफली बेचने के लिए अल्लाहगंज बाजार आते जाते हैं पुलिस चौकी के सामने वाहन रोक कर अबैध वसूली किए जाने के कारण काफी लंबा जाम लग गया पीड़ित किसानों ने इस बात की जानकारी भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट के

पदाधिकारियों को दी भाकियू के जिलाध्यक्ष अरविंद शाक्य लक्ष्मी शंकर जोशी मंडल उपाध्यक्ष प्रभाकांत मिश्रा नगर अध्यक्ष योगेंद्र सिंह नगर महामंत्री कमलेश शाक्य विजय सिंह शाक्य सहित करीब तीन दर्जन किसान सुबह करीब 8 बजे पांचाल घाट पहुंचे अवैध वसूली के विरोध में किसानों ने पुलिस चौकी का घेराव किया गुस्साए किसान चौकी के सामने ही धरना देने का प्रयास करने लगे जिसकी सूचना पर प्रशासन में हड़कंप मच गया सिटी मजिस्ट्रेट सतीश चंद्र एवं अपर पुलिस अधीक्षक डॉक्टर संजय सिंह एवं कादरी गेट थाने का फोर्स मौके पर पहुंचा पुलिस ने प्रयास करके जाम खुलवाया चौकी पुलिस ने अधिकारियों को बताया कि कांवडियों के कारण जाम लग गया था अवैध वसूली नहीं की जा रही थी किसान नेताओं ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि किसी भी कीमत पर किसानों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा यदि भविष्य में किसानों से अवैध वसूली की गई तो चौकी का पुन घेराव करेंगे

मोदी जी के पुराने रीति रिवाज को अपनाने के लिए मोटे अनाज का भोजन पाना मनुष्य के लिए अति लाभदायक है

हारून बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद - फर्रुखाबाद मे भाजपा कार्यकर्ताओं ने मोदी जी के पुराने रीति रिवाज को अपनाने के लिए मोटे अनाज का भोजन पाना मनुष्य के लिए अति लाभदायक है जैसे ज्वार बाजरा मक्का केला तुरई गाजर पालक खीरा करेला आदि चीजों को पानी से शरीर में पौष्टिक आहार कैल्शियम की कमी नहीं होती है भाजपा जिला अध्यक्ष बबीता पाठक प्रीति तिवारी एडवोकेट स्वेता दुबे मीरा सिंह आज भाजपा की कार्य कार्यकर्ता ने फतेहगढ़ चूड़ी वाली गली प्राइमरी स्कूल में पिछले जमाने का मोटे अनाज सब्जी के द्वारा लोगों को जागरूक किया

गाना सुनकर भावुक हो गए भाजपा सांसद बृजभूषण, मंच पर ही रोने लगे, बोले- जिसने मरना सीख लिया...

महाविद्यालय के समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद अतिथियों ने संबोधन भी किया। जिसमें अयोध्या से आये संत दिनेशाचार्य जी महाराज ने अपने संबोधन में छात्रों का उत्साह बढ़ाया। सांसद के कहने पर संत ने गीत गाते हुए कहा खुश रहो हर खुशी है तुम्हारे लिए, छोड़ दो आंसुओं को हमारे लिए। इस गीत पर सांसद बृजभूषण शरण भावुक हो गये और मंच पर ही रोने लगे।भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह गोंडा जिले के तरबगंज स्थित विपिन बिहारी शरण सिंह महाविद्यालय में शनिवार को प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल होने के लिए आए थे। इस दौरान एक संत ने %खुश रहो हर खुशी है तुम्हारे लिए...% गाना गाया। इस दौरान उनके साथ ही सोफे पर बैठे भाजपा सांसद भावुक हो गए और रोने लगे। भाजपा सांसद ने इसके बाद विद्यार्थियों को मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया। मंच पर भावुक हुए कुश्ती संघ के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण ने मंच पर अपने संबोधन में कहा कि जिसने मरना सीख लिया जीने का अधिकार उसी को है।समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद अतिथियों ने संबोधन किया। जिसमें अयोध्या से आये संत दिनेशाचार्य जी महाराज ने अपने संबोधन में छात्रों का उत्साह बढ़ाया। सांसद के कहने पर संत ने गीत गाते हुए कहा खुश रहो हर खुशी है तुम्हारे लिए, छोड़ दो आंसुओं को हमारे लिए...। इसी गीत पर सांसद बृजभूषण शरण भावुक हो गये और मंच पर ही रोने लगे। इसके बाद उनके पौत्र ने उन्हें हिम्मत बंधाने की कोशिश की। सांसद ने खुद को संभाला और संत दिनेशाचार्य का आभार जताया।भाजपा सांसद बोले, क्षेत्रीय दलों की गोद में बैठ गए राहुल गांधी अपने भाषण में भाजपा सांसद ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर टिप्पणी की और कहा कि राहुल के बयान को कोई गंभीरता से नहीं लेता। उनकी पदयात्रा का कोई असर नहीं हुआ है। राष्ट्रीय दल के नेता होने के बावजूद क्षेत्रीय दलों की गोद में राहुल गांधी बैठ गए हैं। वह बिना उद्देश्य के ही यात्रा कर रहे हैं। उन्हें मैं सलाह दूंगा की तैयारी करके आया करें। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के विरोध में विपक्षी दलों के मोर्चे %इंडिया% पर तंज कसते हुए भाजपा सांसद ने कहा कि देश में तीन बार गठबंधन का प्रयोग हुआ जो सफल नहीं हुआ। इंडिया गठबंधन में तो नेता ही तय नहीं है, समारोह में छात्रों को कैसरगंज के भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने मेडल व प्रमाण पत्र से सम्मानित किया। कार्यक्रम में मेधावियों का उत्साह बढ़ाया और आगे बढ़ने के रास्ते बताए।

धौरेरा माफी में लगी शिक्षा चौपाल, ग्रामीणों ने की सहभागिता

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। सरकार द्वारा नयी शिक्षा नीति को सफ़ल बनाने को अब शिक्षा विभाग लगातार नये -नये प्रयोग कर ग्रामीणों को शिक्षा के लिए जागरूक करने में जुटा है। इसी क्रम ग्राम पंचायत धौरहरा माफी विकासखंड बिथरीचैनपुर चैनपुर में शिक्षा चौपाल का आयोजन किया गया । खण्ड शिक्षा अधिकारी अवनीश कुमार ने ग्रामीणों को बच्चों को शिक्षा दिलाने की बात रखी तो ग्रामीणों ने भी अपने द्वार आए अधिकारी को बच्चों को

सरकारी स्कूल में शिक्षा दिलाने का वचन दिया।इस मौके पर जिसमें एस0आर0जी0 ए0आर0पी0 एवं शिक्षक तथा अभिभावक मौजूद रहे। कार्यक्रम में सरकार की योजनाएं जैसे डी0बी0टी0 ऑपरेशन कायाकल्प निपुण भारत एवं नामांकन के बारे में लोगों को विशेष रूप से जागरूक किया गया।

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छत्तीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करे
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छत्तीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

पीएसपीसीएल उद्योगों की मांग को पूरा करने के लिए ढंडारी कलां में बिजली ट्रांसफार्मर के संवर्द्धन की परियोजना ज़ारी

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और बिजली मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ के गतिशील नेतृत्व में पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड और पंजाब स्टेट ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड ने सबस्टेशन की बिजली क्षमता बढ़ाने के लिए लुधियाना के औद्योगिक क्षेत्र के लिए एक परियोजना शुरू की है। यह पहल औद्योगिक क्षेत्र को समर्थन देने के लिए एक मजबूत और कुशल बिजली बुनियादी ढांचे को सुनिश्चित करने में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और बिजली मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ के नेतृत्व में पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।निदेशक वितरण डीपीएस ग्रेवाल ने कहा कि विभिन्न सबस्टेशनों पर ओवरलोडिंग के कारण पीएसपीसीएल नए औद्योगिक कनेक्शन समय पर जारी करने में असमर्थ है। अधिकारियों ने मौजूदा चल रहे लोड और विभिन्न औद्योगिक संगठनों की मांगों को ध्यान में रखते हुए यह काम शुरू किया है।उन्होंने कहा कि उद्योगों की बिजली जरूरतों को पूरा करके सरकार का लक्ष्य पंजाब में आर्थिक विकास को बढ़ावा देना और अनुकूल कारोबारी माहौल बनाना है। बढ़ती बिजली की जरूरतों को पूरा करने के लिए, पीएसपीसीएल/पीएसटीसीएल ने ढंडारी कलां में 220 केवी सबस्टेशन पर एक नए 160 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर के साथ 100 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर का संवर्द्धन किया है। मुख्य अभियंता पीएसपीसीएल इंज. इंद्रपाल सिंह ने बताया कि इस प्रोजेक्ट पर करीब 12 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है. उन्होंने कहा कि काम पूरा होने में लगभग 20-25 दिन लगेंगे और उन्होंने उद्योगों से इन दिनों के दौरान सहयोग करने का अनुरोध करते हुए समर्थन मांगा क्योंकि लोड शिफ्टिंग के कारण उन्हें कुछ गड़बड़ी देखने को मिल सकती है। उन्होंने कहा कि एक बार परियोजना पूरी हो जाने पर, एक साल से अधिक समय से लंबित 33 बड़े आपूर्ति वाले औद्योगिक कनेक्शनों को तुरंत जारी किया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त, आने वाले दिनों में साहनेवाल में 220 केवी सबस्टेशन पर एक और बिजली ट्रांसफार्मर का विस्तार भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिजली क्षमता में वृद्धि न केवल वर्तमान मांगों को पूरा करेगी बल्कि भविष्य की वृद्धि और विकास के लिए एक ठोस आधार भी प्रदान करेगी।

लोकगायक सुरिंदर शिंदा की रूहानी आवाज सदा लोगो के दिलो में गूंजती रहेगी-विजय सांपला

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - प्रसिद्ध पंजाबी गायक सुरिंदर शिंदा के निधन पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विजय सांपला व जिला भाजपा अध्यक्ष रजनीश धीमान ने उनके पारिवारिक सदस्यों के साथ शोक व्यक्त किया।इस मौके विजय सांपला ने कहा कि सुरिंदर शिंदा ने पंजाबी कल्चर के गीतों को आपनी गायकी से देश विदेश में प्रसिद्ध किया।

आज देश में ही नही विदेशों में भी उनके अनेकों फैन है। उन्होंने कहा कि पंजाबी गीतों को आवाज देने वाले लोकगायक सुरिंदर शिंदा की रूहानी आवाज सदा के लिए खामोश तो हो गई पर उनकी आवाज हमेशा अमर रहेगी। रजनीश धीमान ने कहा कि शिंदा जी बेशक शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं रहे, लेकिन उनकी यादें हमेशा दिल में ताजा रहेगी।सुरिंदर शिंदा के चले जाने से पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री को बड़ा नुकसान हुआ है. वो नई पीढ़ी के लिए आइकॉन थे।इस मौके पर मनवीर सिंह शिन्दा,भाजपा ज़िला उपाध्यक्ष डा.निर्मल नय्यर,मनीष चोपड़ा,जसवंत सिंह छपा आदि मौजूद थे।

बच्चों के भविष्य को शिक्षकों द्वारा लगाया जा रहा है ग्रहण

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

ओड़गी।। ब्लॉक मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत टमकी स्कूल हैं जिसमें कई नवनिहलो के भविष्य के साथ खेलवाड़ किया जा रहा है आज प्राथमिक विद्यालय टमकी गरजापारा,व टमकी में ही 2 विद्यालय माध्यमिक,प्राथमिक संचालित हो रहा हैं शिक्षकों का मनमानी देखने को मिला है आज जहा शिक्षा व्यवस्था की बात की जाए तो केंद्र सरकार व राज्य सरकार के द्वारा निसंदेह उत्कृष्ट कार्य किया जा रहा है लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और दिखता है हम आपको बता दें कि इनके द्वारा किया जा रहा प्रयास अधिकारियों की मिलीभगत के कारण इसका खामियाजा गरीबों के बच्चों को भुगतना पड़ रहा है दोनों प्राथमिक विद्यालय में किराए के शिक्षक बच्चों को शिक्षा देते है और दोनों स्कूल के शिक्षक छूट्टी में है और बहाना भी एक जैसे दोनों का तबियत खराब है इतना कि आवेदन लिखना भी जरूरी नहीं समझते हैं और लिखे भी है तो 22 का आवेदन हैं और 16 तारिक तक रजिस्टर में हस्ताक्षर किया गया है जो सोचने वाली बात है सरकार के मनसा अनुरूप अपना कार्य सही तरीके से नही कर रहे शिक्षक।माध्यम भोजन के तहत गाइड लाइन के अनुसार बच्चों को भोजन नही दिया जाता है बच्चों को पता ही नहीं है कि सप्ताह के सातों दिन क्या क्या खाना मिलता है रोज दाल चावल व सोयाबीन बरी की सब्जी ही मिलता है ओ भी पेट भर नही और हरी सब्जियां की बात करें तो बच्चें महीनों से खाए ही नही है एक बच्चे ने तो यह भी बताया कि 3 सालों से स्कूल में खीर बना ही नही और पढ़ने की बात की जाए तो किराये के शिक्षक आते है और 1 बजे छुट्टी कर के चले जाते हैं यह बयान प्राथमिक शाला में तीसरी कक्षा में पढ़ रहे बालक का कहना है

स्कूल में ऐसे

कर रहे हैं शिक्षक भर्ष्टाचार

स्कूल में भले दो ही बच्चे हो लेकिन वहां पदस्त शिक्षक पांच बच्चों का हाजरी बनाते है समयानुसार हाजरी नही बनाते हैं वे छुट्टी होने के कुछ समय पहले ही रजिस्टर मेंटनेंस कर दिया जाता हैं स्कूल में किराये के शिक्षक के मत्थे हो रहा संचालन इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि शिक्षकों का हौसला किस तरह बुलंद हैं शिक्षा विभाग में अगर अच्छे से जांच हो तो और भी करप्ट सामने आ सकता है और मीडिया का यह कार्य सराहनीय है सच को निर्भीकता से आगे ला रहे हैं आप सभी कलमकार साथी चौथा स्तंभ है और गहराई में जाएं तो इससे भी ज्यादा घोटाला सामने आ सकता है। नेहरू लाल सिंह जनपद सदस्य 0शिक्षा विभाग ओड़गी का पहला मामला नहीं है इस प्रकार मीडिया अपना काम और बखूबी से करें तो और भी गड़े मुर्दे बाहर आ सकते हैं इससे पूर्व में भी कई मामला सामने आया है स्कूल के शिक्षकों के द्वारा रोज का नाटक है ग्रामीणों के बात को भी अनदेखा कर ध्यान नहीं देते है हमेशा मनमानी करते है।बृजेश्वर राजवाड़े ग्रामीण इस मामले की जानकारी विकाशखण्ड शिक्षा अधिकारी से लेनी चाही तो उनका कॉल नही लगा।

लुधियाना क्लब में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ग्रीन लुधियाना इंटर स्कूल पेंटिंग प्रतियोगिता में 35 से अधिक स्कूलों और 700 से अधिक छात्रों ने भाग लिया

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - टीम सॉल्यूशंस और द राइजिंग एंटरटेनर द्वारा पर्यावरण जागरूकता फैलाने की एक बड़ी पहल में, आज लुधियाना क्लब में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया इंटर स्कूल पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया इंटर स्कूल पेंटिंग प्रतियोगिता का शीर्षक था ‘क्लग्रीन लुधियाना - पर्यावरण क्रांति मातृभूमि की हरियाली से शुरू होती है’,। प्रतियोगिता में 35 से अधिक स्कूलों के 700 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। विजेताओं को हीरो साइकिल्स की ओर से साइकिलें और किटी ब्रेड और अमूल की ओर से जलपान प्राप्त हुआ। विजेताओं को मुख्य अतिथि राकेश कुमार मित्तल, क्षेत्रीय प्रमुख यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा सम्मानित किया गया। गेस्ट ऑफ़ हॉनर लुधियाना क्लब के अध्यक्ष केके छाबड़ा और लुधियाना क्लब के सांस्कृतिक सचिव संजय कपूर थे। प्रतियोगिता कक्षा 4-12 तक के छात्रों के लिए खुली थी। इस कार्यक्रम के प्रतिष्ठित निर्णायक सोसायटी फॉर डेवलपमेंट ऑफ फिल्म एंड आर्ट (एसओडीईएफए) के प्रभिंदर लाल, श्रीमती नरेश चोपड़ा, श्रीमती रितु धीर, श्रीमती सोनिया कुमार थे। इस आयोजन के पीछे का विचार बच्चों को हमारे आस-पास कम हो रहे वृक्षों की देखभाल करने और इस मौसम में कम से कम एक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करना है।

केजरीवाल ने राज्यसभा में अरोड़ा के प्रथम वर्ष के कार्य को दर्शाती कॉफी टेबल बुक पंजाबज़ वॉइस इन द पार्लियामेंट का किया अनावरण

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना -दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सांसद राघव चड्ढा की उपस्थिति में शनिवार को दिल्ली में पंजाब%ज़ वॉइस इन द पार्लियामेंट नामक एक कॉफी टेबल बुक का अनावरण किया। यह पुस्तक क्आप% सांसद (राज्यसभा) संजीव अरोड़ा के राज्यसभा में पहले वर्ष (2022-23) के बारे में है। पुस्तक का विमोचन करते हुए केजरीवाल ने राज्यसभा और उसके बाहर जनहित के मुद्दों को उजागर करने में अरोड़ा द्वारा किए गए काम और प्रयासों की काफी सराहना की।

कमलादेवी की आँखों से रोशन होंगी दो और जिंदगी ,देहदान कर्तव्य संस्था के सहयोग से हुआ एक और नेत्रदान

क्यूँ न लिखूँ सच

महानगर अलीगढ के प्रसिद्द भाजपानेता सुभाष लिटिल जी के पूज्य पिताजी कन्हैया लाल जी कि मृत्यु अभी तीन दिन पहले हो चुकी है ।देहदान कर्तव्य संस्था के सहयोग से गुप्ता परिवार ने नेत्रदान का कार्य सम्पूर्ण कराया था । देहदान कर्तव्य संस्था के सदस्य भुवनेश वार्ष्णेय आधुनिक के अनुसार नेत्रदानी कन्हैयालाल जी की धर्मपत्नी कमला देवी जी का भी देहावसान आज हो गया । गुप्ता परिवार के सहयोग से देहदान कर्तव्य संस्था द्वारा कमलादेवी जी का नेत्रदान कराया गया । भुवनेश आधुनिक ने बताया कि देहदान कर्त्तव्य संस्था के अध्यक्ष डॉ एस के गौड़ के पास डॉ राजीव वार्ष्णेय का फोन आया कि कमला देवी पत्नी कन्हैया लाल गुप्ता महावीर गंज के नेत्रदान होने हैं । डा एस के गौड़ ने अविलम्ब जे एन मैडिकल कॉलेज नेत्र विभाग के डॉ जिया सिद्दीकी व मुहम्मद साबिर को सूचित किया। सौहार्दपूर्ण वातावरण में सफलता मानवीय नेत्रदान का मानवीय कार्य सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर एकत्रित जन समूह को सम्बोधित करते हुए डा एस के गौड़ ने कहा कि संस्था की जागरूकता से नेत्रदानियौ की संख्या दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। इसका परिणाम यह है कि लोग संबोधन पश्चात पदाधिकारियों का नम्बर ले जानकारियाँ प्राप्त कर प्रश्न करते हैं। जैसे-कितने समय व कितनी उम्र तक नेत्रदान कराए जा सकते हैं। डॉ गौड़ ने सरल भाषा में समझाते हुए बताया कि लगभग छह घण्टे व किसी भी उम्र में। डॉ गौड़ ने लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि आप केवल संस्था के किसी सदस्य को सूचित करें। इसके बाद का काम हमारा है। उन्होंने कहा कमला देवी की इच्छानुकूल व पति की सहभागी बन नेत्रदान ही नहीं बल्कि उन्होंने भाबरो पर दिया बचन साथ जिएंगे-मरेंगे भी निभा दिया। इस अद्वितीय अभियान में सुभाष गुप्ता लिटिल , दीपक गुप्ता सहित सभी परिजनों के साथ साथ डा राजीव कुमार वार्ष्णेय , भुवनेश वार्ष्णेय आधुनिक नेत्र विभाग के प्रोफेसर अदीब आलम, डॉ मुहम्मद शाकिब, डॉ आयशा, डॉसायरीन, शमीम, डॉ राहुल कुलश्रेष्ठ जिला मलेरिया उन्मूलन अधिकारी, डॉ डी के वर्मा (मीडिया प्रभारी), डॉ विश्वामित्र आर्य, धीरेन्द्र गुप्ता, हितेष छाबड़ा (कोषाध्यक्ष),सूबेदार सिंह राघव, दिलीप वार्ष्णेय, किरण वार्ष्णेय सहयोगी बने।

एन डी ए जी की जन कल्याणकारी योजनाओं की वजह से ही देश मे तीसरी बार नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनेंगे - विजय सांपला

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - पूर्व केंद्रीय मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता विजय सांपला ने कहा कि एन डी ऐ की जन कल्याणकारी नीतियों की वजह से ही नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे ,विजय सांपला किसी कार्यक्रम के तहत लुधियाना सर्कट हाउस पुहंचे थे । उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी जी ने भारत का नाम पूरी दुनिया मे ऊंचा किया है,देश से बाहर रहने वाले देश के नागरिक भी शान से अपने देश का नाम बताते है । विजय सांपला ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इसी लोकप्रियता के भय से ही विपक्ष की सभी पार्टियां एकजुट हो रही है,क्योकि उनको पता है कि मोदी के कद का कोई भी लीडर विपक्ष के पास नही है जो कि मोदी को टक्कर दे सके ।उन्होंने कहा पंजाब में भी भाजपा सभी विपक्षी पार्टियों को कड़ी टक्कर देगी क्योकि पंजाब में भी लगभग डेढ़ वर्ष की आम आदमी पार्टी की सरकार जिन मुद्दों पर पंजाब में जीतकर आयी थी ने लोगो के भले के लिए कुछ नही किया,इसलिए अब लोग पंजाब में भी भाजपा को जिताना चाहते है । इस अवसर पर सर्कट हाउस में उनके साथ पंजाब भाजपा के कैशियर गुरदेव शर्मा देबी,भाजपा नेता गोल्डी सभरवाल, सुमित टंडन,लवली सूद,बिन्नी सभरवाल,गुरदीप सिंह दीपा, अशोक कुमार बिट्टू,दविंदर सांपला आदि मौजूद थे ।

July 30 or first Sunday of August, know when Friendship Day will be celebrated in India?

Friendship Day 2023 Friendship is a precious relationship in every person's life. It is a relationship that binds people together without any selfishness or discrimination. Friendship Day is celebrated every year to celebrate this selfless bond of friendship. Although the dates to celebrate it are different. Let us know when this day is celebrated in India. Friendship is such a relation, which stays with us without any selfishness. This relationship keeps people

connected to each other without any discrimination. Friendship Day is celebrated every year to celebrate this relationship of friendship. This day is specially celebrated for the purpose of explaining the importance of friendship. However, people often have confusion about this. In fact, in many places it is celebrated on July 30, while in some countries it is celebrated on the first Sunday of August. In such a situation, the question in people's mind is when this day is being celebrated. If you are also looking for the answer to this question, then today in this article we will tell you on which day Friendship Day is celebrated in India. Let's know- When is International Friendship Day? - This day is celebrated on different dates in different countries. In fact, in many countries where friendship is celebrated on the first Sunday of August, it is celebrated internationally on 30 July. Talking about the history of this day, for the first time in the year 1958, it was proposed to celebrate this day in Paraguay. Later, considering this proposal, the United Nations declared 30 July as International Friendship Day and since then International Friendship Day has been celebrated in many countries on 30 July every year. When is Friendship Day in India? - However, there are some countries where Friendship Day is celebrated on the first Sunday of August instead of 30 July. The name of India is also included in these countries. Apart from India, Friendship Day is also celebrated on the first Sunday of August in countries like Malaysia, United States of America (USA), United Arab Emirates (UAE), and Bangladesh. Importance and theme of Friendship Day- This day is specially dedicated to friends and their friendship. This day is celebrated with the aim of celebrating friendship and explaining the importance of friends in people's lives. This day tells how our life is incomplete without a friend and the importance of friends in our life. On the other hand, talk about this year's theme, then the theme for Friendship Day 2023 has been fixed as "Sharing the Human Spirit Through Friendship".

Want to visit religious and historical places? Visit these wonderful tourist places of Gorakhpur

There are many beautiful districts in Uttar Pradesh, which are famous for religious places and historical places. Some cities of Uttar Pradesh are world famous, while there are many districts where historical heritage and ancient temples are hidden. Gorakhpur is a district with these rich philosophical places. Gorakhpur city is famous all over the country. Gorakhpur is about 270 kilometers away from capital Lucknow. You can reach Gorakhpur by traveling for about 5 hours. Apart from this, there are districts of Deoria, Kushinagar, Sant Kabirnagar

and Siddharthnagar etc. on the border of Gorakhpur, where there are many other beautiful tourist places. The city of Gorakhpur in UP is small but a great option for a two-day holiday. There are many philosophical places here, which can be easily visited with friends or family in less money. Gorakhnath Temple - The most famous in this city is the Gorakhnath Temple. Along with the idol of Lord Shiva, idols of many other deities are also located here. Apart from UP, people from Bihar and Uttarakhand come to visit the Gorakhnath temple. There is a crowd of lakhs of devotees here on Makar Sankranti. It is believed that Guru Gorakhnath did penance on the banks of Bhagwati Rapti and established a divine samadhi at this place. Later this place was made the Gorakhnath temple. Kusamhi Van- Kusamhi Van is situated nine kilometers away from Gorakhpur railway station. The famous Budhia Mai temple is situated amidst this dense forest. Often Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath also comes to worship in this temple. Kusumhi forest is an important place in terms of natural views as well as a religious place, where a large number of tourists reach. There is a small zoo inside the forest itself. Ramgarh Tal- Ramgarh Tal spread over an area of 1700 acres in the city is also known as Ramgram. Rapti river passes through here. Presently this place has become Marine Drive of Purvanchal. In the evening, there is a light and sound show and a wonderful view of the rhythm. You can also enjoy boating and water sports. Planetarium - If you are interested in the universe, then you can visit the planetarium located in Gorakhpur. This place is located at a distance of 6 kilometers from Gorakhpur Railway Station. It will be fun to visit here with children. State Buddhist Museum - The State Buddhist Museum is located in Ramgarh Tal area in Gorakhpur district, which is a center of special attraction for tourists. The museum was established in 1987. The museum houses archaeological objects from the Paleolithic to the medieval period. Stone objects, bronze sculptures, metal objects, terracotta, pottery, manuscripts, ivory, miniature paintings and punchmark coins are displayed here.

Every woman must do these things to make her personality impressive

In today's time, there is a great need for every woman to make her personality impressive. For this, they should include some things in their habit. Personality Development Tips: There was a time when women only used to stay at home, do household chores, but today's time has completely changed. Now women go out of the house and walk shoulder to shoulder with men. In such a situation, it has become very important that he should pay attention to his personality. Women wear trendy clothes to make their personality attractive. Make-up accordingly, but do you know that many of your habits also have a hand in making your personality attractive. In today's article, we will tell you about such habits, which enhance the personality of women. It is very important for every woman to have these habits so that her personality remains impressive. Keep your thinking positive – of negativity, if you keep your In this environment full surely be impressed by you. Even thinking positive then people will thinking can help in enhancing in times of trouble, positive reflects your good image. Be honest- your personality. This habit also deceit is happening everywhere, if In today's environment where people will be very impressed with you act honestly yourself, then always be honest for your loved you. It is very important to be polite- Being polite to others is a ones in life and for work. Always mind that this humility should not very good quality. Just keep in do something with someone, do it be just for show. Try that if you with all your heart. Increase people's confidence by being active- If you do your work with full heart and dedication, then you can increase the confidence of yourself and your colleagues even by being energetic while doing it. This will make your image much more impressive.

Urvashi Rautela told Pawan Kalyan the CM of Andhra Pradesh, corrected the mistake after being trolled

Urvashi Rautela had told South Superstar Pawan Kalyan the CM of Andhra Pradesh. Since then Urvashi Rautela is being trolled fiercely. After being targeted by people, the actress has corrected her mistake and corrected the tweet.Urvashi Rautela is always in the limelight for one reason or the other. Sometimes she does something like this and sometimes she tweets something that grabs headlines. Now recently, the actress had told South Superstar Pawan Kalyan as the CM of Andhra Pradesh. Since then Urvashi Rautela is being trolled fiercely. After being targeted by people, the actress has corrected her mistake and corrected the tweet-In fact, a tweet. Urvashi's becoming tweet of Urvashi is social media, fiercely viral on wrote, 'Glad in which she space with to share screen Minister of respected Chief Pawan Andhra Pradesh film Bro the Kalyan in our release Avatar. Slated to 28th July, the worldwide on is about an story of this film who is given a arrogant man to rectify his second chance death. Ever mistakes after surfaced, the since this tweet and IQ level common sense is also being of the actress social media. questioned on Bro the Know when released - Avatar will be Urvashi is This tweet of fiercely viral becoming media. After on social trolled, being corrected her Urvashi has and has removed mistake Andhra Pradesh the CM of Kalyan's name. Now he has from Pawan brother) after the name of written Garu (elder Talking about Urvashi Pawan Kalyan. the Avatar is a remake of the Rautela's film, Bro Seetham. This film is directed Tamil film Vinodaya Urvashi will be seen in a by Samuthirakani. film which is slated to release on special song in the Dharam Tej. July 28. The film also stars Pawan Kalyan and Sai

Manisha Yadav was about to have a wardrobe malfunction, Elvish saved her from being embarrassed like this

Bigg Boss OTT 2 There are a lot of fights in the Bigg Boss reality show. It rarely happens when one gets to see affinity between someone. Similar bonding is being seen between Manisha Rani, Abhishek Malhan and Elvish Yadav in this time's show. Something similar happened in the last episode when Elvish saved Manisha during a wardrobe malfunction. Controversial

reality show 'Bigg Boss OTT 2' featured contestants Manisha Rani, Elvish Yadav and Abhishek Malhan. The trio is a hit. All three always support each other and if needed, they fight with anyone for each other. Icky Bonding is the most famous of the entire show. Recently, Abhishek and Jia did something, after which everyone is forced to praise them. Saved Manisha from being embarrassed - Actually, Manisha wore a short dress in the last episode. She was sitting in the garden area. Abhishek sat by his side. Both were talking when suddenly Elvish comes and leaves after putting his towel on Manisha. He doesn't say anything to them. Neither do they make any issue out of it, nor do they talk about it. Seeing this, Manisha gives a small smile and fixes her dress. Elvish touches Manisha's feet - This happens when Manisha and Elvish are talking. During this, Elvish's foot accidentally touches Manisha's foot. That's why no matter what happens, he immediately touches Manisha's feet. After this everyone praises Elvish's behavior. Manisha also showed generosity – Manisha has a good bond with Elvish and Abhishek. Manisha also helps both of them when needed. Recently she was seen pressing Elvish's head as Abhishek was having a headache. Manisha is in the nomination- Please tell that Manisha Rani is in the nomination this week. Aashika Bhatia has also been nominated along with him.

Self-respect, respect and freedom... Gauri Sawant became Sushmita Sen, release date also revealed

Sushmita Sen is all set to showcase the story of transgender activist Shree Gauri Sawant. The teaser of the actress' upcoming web series 'Tali' has been released. Along with this, the release date has also been revealed. Sushmita Sen is going to win the hearts of people with her wonderful projects in the coming days. In this episode, the teaser of the actress's most awaited web series 'Tali' has been released. In the series, the actress is seen in the role of transgender

activist Shree Gauri Sawant. In this 46-second clip, Sushmita Singh's character and her acting is going to give goosebumps. Teaser of 'Clap' released - Sushmita Sen has released the teaser of 'Clap' from her official Instagram account. The actress wrote in its caption, 'This story of the journey from abuse to clap. Presenting the story of Shree Gauri Sawant's fight for India's third gender. Along with releasing the teaser, Sushmita has also unveiled its release date. 'Tali' streaming date, platform - Sushmita Sen starrer web series 'Tali' will be released on August 15 on the occasion of Independence Day. The series will stream on Jio Cinema. Taali is produced by Arjun Singh Baran and Karthik D Nishandar. Ravi Jadhav is its director. The story of 'Tali' is written by Kshitij Patwardhan. It is also produced by Arjun Singh Baran, Karthik D Nishandar and Afifa Suleman Nadiadwala. Story of Sushmita Sen starrer 'Tali' - 'Tali' is the story of transgender Gauri Sawant, who fought for transgender to be considered as the third gender. The result of the struggle was that in the year 2014, the Supreme Court recognized transgender as the third gender. At the same time, Sushmita Sen in the role of Gauri is very good, as well as seeing the demo of her acting, the fans have become more eager for its release. Talking about Sushmita's work front, she will soon be seen in 'Arya 3', the third season of 'Arya'.

Dharma Productions released the first figure of 'Rocky and Rani's love story', less than 10 percent

Due to the less than expected first day collection of the film 'Rocky Aur Rani Ki Prem Kahani', all kinds of discussions have started in the Hindi film industry. A gathering of well-wishers and stars of the film also took place at Karan Johar's house last night regarding this collection of the film. In the morning, the film's producer company Dharma Productions also released the official figure of the first day of the film, which is much less than 10 percent of the cost of the film. The previous three films were flops.Before Ranveer Singh's film 'Rocky Aur Rani Ki Prem Kahani', the last three films released were flops from the queue. The film '83', released on 24 December 2021, had an opening of Rs 12.64 crore and was declared a flop, earning a total of Rs 109.02 crore at the domestic box office. After this, on 13 May 2022, Ranveer's film 'Jayeshbhai Jordaar' was released. Its opening was only Rs 3.25 crores and the film could earn only Rs 15.59 crores at the domestic box office. Ranveer's hat-trick of flops was completed

with the film 'Circus'. The opening of this film was only Rs 6.25 crores and this film could earn only Rs 35.65 crores at the box office. The difference between reel and real life erased - Ranveer Singh's strange antics in public life have harmed his career the most. The problem is that he is doing similar characters in films as well. In such a situation, the difference between his real and reel life has disappeared. As he appears on social media, the audience continues to starve to see him in theatres. According to Dharma Productions, the first day collection of the film 'Rocky and Rani Ki Prem Kahani' has been Rs 11.10 crore. Ranveer's brand value is falling - this is the sixth film out of 12 films released by Ranveer Singh in the last 10 years, before which The day's collection has been less than Rs 12 crore. His first flop in the last decade was 'Kill Dil' which was completely rejected by the audience. The film 'Dil Dhadakne Do' somehow managed to save its honour. The condition of 'Befikre' was also not good. After this, '83', 'Jayeshbhai Jordaar' and 'Circus' caused the most damage to his brand value. Report card of films released in 10 years - A look at Ranveer Singh's films released in the last 10 years: Film Opening Total Business Naatana Gunday (2014) 16.12 78.60 Avg Kill Dil (2014) 06.53 33.14 Flop Dil Dhadakne Do (2015) 10.53 76.88 Avg Bajirao Mastani (2015) 12.80 184.20 Superhit Befikre (2016) 10.36 60.24 Avg 2018) 24.00 302.15 Blockbuster Simmba (2018)) 20.72 240.31 Blockbuster Gully Boy (2019) 19.40 140.25 Hit 83 (2021) 12.64 109.02 Flop Jayeshbhai Jordaar (2022) 03.25 15.59 Flop Circus (2022) 06.25 35.65 Flop (All figures in Rs crore)